भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2901

जिसका उत्तर 12 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

तीस्ता नदी में बाढ़

2901. डॉ. जयंत कुमार राय:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने जलपाईगुड़ी जिले में तीस्ता नदी में बार-बार आने वाली बाढ़ से निपटने के लिए कोई पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आवंटित निधि सहित बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(ख) क्या सरकार जलपाईगुड़ी के बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में स्थायी जल संरक्षण संरचनाएं स्थापित करने के लिए पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के साथ सहयोग कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): बाढ़ प्रबंधन और कटाव-रोधी स्कीमें संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उनकी प्राथमिकता के अनुसार तैयार और कार्यान्वित की जाती हैं। केन्द्र सरकार गंभीर क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करके और संवर्धनात्मक वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। बाढ़ प्रबंधन के संरचनात्मक उपायों को मजबूत करने के लिए, मंत्रालय ने नदी प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण, कटाव-रोधी, आदि से संबंधित कार्यों के लिए राज्यों को केंद्रीय सहायता प्रदान करने के लिए XIवीं और XIIवीं बाढ़ प्रबंधन योजना (एफएमपी) के दौरान कार्यान्वित किया था, जो बाद में वर्ष 2017-18 से वर्ष 2020-21 की अवधि के लिए "बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम" (एफएमबीएपी) के एक घटक के रूप में चलता रहा और आगे वर्ष 2026 तक बढ़ा दिया गया। जलपाईगुड़ी जिले को लाभ पहुंचाने वाले एफएमपी घटक के तहत पश्चिम बंगाल राज्य को 11.31 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता (सीए) जारी की गई है।

गैर-संरचनात्मक उपायों के लिए, केंद्रीय जल आयोग एक नोडल संगठन है जिसे देश में बाढ़ पूर्वानुमान और प्रारंभिक बाढ़ चेतावनी जारी करने का कार्य सौंपा गया है। यह नेटवर्क राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से स्थापित किया गया है। 24 घंटे के प्रतिक्रिया समय सहित लघु-अवधि के पूर्वानुमानों के अलावा, सीडब्ल्यूसी ने अपने पूर्वानुमान स्टेशनों पर 7 दिनों

की अग्रिम एडवाइजरी के लिए वर्षा-रनऑफ गणितीय मॉडलिंग के आधार पर बेसिनवार बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल भी विकसित किया है ताकि स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा लोगों से आवास स्थल खाली कराने की आयोजना बनाने और अन्य उपचारात्मक उपाय करने के लिए अधिक समय प्रदान किया जा सके। जलपाईगुड़ी जिले में दो बाढ़ पूर्वानुमान केन्द्र हैं अर्थात तीस्ता नदी पर दोमोहानी और जलढाका नदी पर राष्ट्रीय राजमार्ग-31 है।

(ख): जल शक्ति मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले सहित देश के सभी जिलों (सभी ब्लॉकों और नगर पालिकाओं) के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) अभियान शुरू किया है। इस अभियान में पांच केंद्रित कार्यकलाप हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण का कार्य शामिल हैं। इस अभियान के अतंर्गत, दिनांक 22.03.2021 से दिनांक 10.12.2024 के दौरान पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में 7,841 जल संबंधी कार्य (जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल निकायों का नवीनीकरण, पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं और वाटरशेड विकास) से संबंधित कार्य पूरे किए गए हैं।

*****